



## सप्तदश बिहार विधान सभा

सप्तम सत्र

### ध्यानाकर्षण सूचना

निम्नलिखित ध्यानाकर्षण सूचना बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम-104(3) के अन्तर्गत दिनांक-16.12.2022 के लिए मा० अध्यक्ष महोदय द्वारा स्वीकृत की गयी है।

क्र० सं०	सदस्य का नाम	विषय	विभाग
1	2	3	4

- डॉ० संजीव कुमार, सं०वि०स०  
श्री ऋषि कुमार, सं०वि०स०  
श्री चेतन आनंद, सं०वि०स०  
श्री मुकेश कुमार रौशन, सं०वि०स०  
श्री मोहम्मद नेहालउद्दीन, सं०वि०स०  
श्री आनन्द शंकर सिंह, सं०वि०स०  
श्री विनय कुमार, सं०वि०स०  
श्री सुधांशु शेखर, सं०वि०स०  
श्री संजय कुमार तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी, सं०वि०स०  
श्री राजीव कुमार सिंह, सं०वि०स०  
श्री मनोज यादव, सं०वि०स०  
डॉ० सत्येन्द्र यादव, सं०वि०स०

“बिहार प्रदेश अन्तर्गत गैरमजरूआ खास जमीन की खरीद-बिक्री सहित लगान की रसीद कटती थी लेकिन सिर्फ उसी जमीन की, जो सरकार की प्रतिबंधित सूची में दर्ज नहीं थी और संबोधित जमीन की जमाबंदी कायम थी। पिछले लगभग 6 वर्षों से वैसी गैरमजरूआ खास जमीन जो किसान और उनके पूर्वज 100 वर्षों से उस जमीन का लगान रसीद कटवा रहे थे उनपर रोक की वजह से लगान रसीद नहीं कट रहा है साथ ही उस जमीन की बंदोबस्ती भी नहीं हो रही है। इस कारण किसानों को सरकार से मिलने वाली फसल क्षतिपूर्ति सहित अन्य अनुदान का लाभ नहीं मिल पा रहा है। ज्ञात हो कि बिहार की 70% आबादी खेती पर ही निर्भर है और किसान किसी खास प्रयोजन में जमीन को बेच कर शादी-विवाह सहित अन्य पारिवारिक कार्यक्रम करते हैं। रोक की वजह से इन किसानों को सरकारी अनुदान सहित जमीन की खरीद-बिक्री का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

राजस्व एवं भूमि सुधार

अतः गैरमजरूआ खास की जमीन जो सरकार की प्रतिबंधित सूची में दर्ज नहीं है उसका लगान रसीद काटने की अनुमति देने हेतु हम सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हैं।”

2. श्री भाई वीरेन्द्र,

संविंस०

श्री हरि नारायण सिंह,

संविंस०

श्री राजीव कुमार उर्फ मुन्ना यादव,

संविंस०

श्री छोटे लाल राय,

संविंस०

श्री अख्तरूल इस्लाम शाहीन,

संविंस

श्री सतानन्द सम्बुद्ध उर्फ ललन,

संविंस०

“राज्य के सरकारी विद्यालयों के रंग-रोगन, ब्लैक बोर्ड, शौचालय मरम्मत, साफ-सफाई, दरी, टी०एल०एम०, स्वच्छता सहित अन्य कार्यों हेतु विद्यालय प्रबंध समिति का गठन किया गया है, जिनके अध्यक्ष, स्थानीय माननीय विधायक एवं सचिव, विद्यालयों के प्रधानाध्यापक होते हैं। पूर्व में विद्यालयों के खाता का संचालन सचिव एवं प्रबंध समिति द्वारा किया जाता था, परन्तु वर्तमान समय में सचिव एवं विद्यालय में प्रतिनियुक्त शिक्षक विद्यालय प्रबंध समिति का खाता संचालन कर रहे हैं। वर्तमान समय में सरकारी द्वारा प्रावधान किया गया है कि प्रबंध समिति मात्र पाँच लाख तक की राशि ही खर्च कर सकती है, जिसके कारण सरकारी राशि का दुरुपयोग होने के साथ ही सही तरीके से विकास राशि खर्च नहीं हो रही है।

अतः राज्य में पूर्व की तरह विद्यालयों में प्रबंध समिति द्वारा ही विद्यालयों के विकास के लिए विद्यालय का खाता संचालित करने हेतु हम सदन के माध्यम से सरकार का ध्यानाकृष्ट करते हैं।”

शिक्षा

पवन कुमार पाण्डेय

प्रभारी सचिव,

बिहार विधान सभा, पटना।

ज्ञाप संख्या-ध्या०प्र०-30/2022- 867 / विंस०, पटना, दिनांक- 15 दिसम्बर, 2022 ई०।

प्रति:- माननीय सदस्यगण, बिहार विधान सभा के सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

पवन कुमार पाण्डेय  
(पूनम सिन्हा)

अवर सचिव, बिहार विधान सभा, पटना।

ज्ञाप संख्या-ध्या०प्र०-30/2022- 867 / विंस०, पटना, दिनांक- 15 दिसम्बर, 2022 ई०।

प्रति:- माननीय मुख्यमंत्री के आप्त सचिव / माननीय उप मुख्यमंत्री के आप्त सचिव एवं माननीय मंत्रिगण के आप्त सचिव को क्रमशः माननीय मुख्यमंत्री, माननीय उप मुख्यमंत्री एवं मंत्रिगण के सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

पवन कुमार पाण्डेय  
(पूनम सिन्हा)

अवर सचिव, बिहार विधान सभा, पटना।

ज्ञाप संख्या-ध्या०प्र०-30/2022- 867 / विंस०, पटना, दिनांक- 15 दिसम्बर, 2022 ई०।

प्रति:- मुख्य सचिव, बिहार / राज्यपाल के प्रधान सचिव, बिहार / कार्यकारी सचिव, बिहार विधान परिषद् / महाधिवक्ता, बिहार, पटना उच्च न्यायालय / संसदीय कार्य विभाग / राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग तथा शिक्षा विभाग के सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

पवन कुमार पाण्डेय  
(पूनम सिन्हा)

अवर सचिव, बिहार विधान सभा, पटना।

ज्ञाप संख्या-ध्या०प्र०-30/2022- 867 / विंस०, पटना, दिनांक- 15 दिसम्बर, 2022 ई०।

प्रति:- माननीय अध्यक्ष महोदय के आप्त सचिव / माननीय उपाध्यक्ष महोदय के आप्त सचिव / प्रभारी सचिव के प्रधान आप्त सचिव को क्रमशः माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय उपाध्यक्ष महोदय एवं प्रभारी सचिव, बिहार विधान सभा के सूचनार्थ प्रेषित।

पवन कुमार पाण्डेय  
(पूनम सिन्हा)

अवर सचिव, बिहार विधान सभा, पटना।